

going to Delhi by the same flight, came out of the passenger lounge and reportedly congratulated and patted the BJP workers demonstrating against the entry of De Beers in the region. The ex-Chief Minister said that he was against a foreign company setting its foot on the pious soil of Chhatisgarh. Moreover, followers of a Congress party member, who is a Member of this august House, also tried to block the entry of De Beers' delegation to Raipur and forced them to go back to Delhi from where they had come in connection with the Devbhog diamond mining contract. The gathering shouted slogans and greeted the South African diamond experts with banners, "De Beers go back". The demonstrators, numbering 500, prevented the multinational's delegation from entering Raipur and compelled them to go back without unloading their luggage.

Looking at the situation, I urge upon the Union Government to come forward, to intervene in the matter and to ensure that the interests of the State and the nation are not sacrificed in the hands of foreign multinationals. Thank you.

**RE: DIFFICULTIES FACED BY PEOPLE
DUE TO CLOSURE OF RAILWAY
TRACK BETWEEN JODHPUR AND
AHMEDABAD FOR GAUGE
CONVERSION**

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष जी, मैं एक महत्व के प्रश्न की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ और मुझे आशा है कि सरकार इसके बारे में जल्दी ही कदम उठायेगी। रेलवेज में यूनिगेज का बहुत जोर भिखले साल उठा था और मीटर गेज को ब्राड गेज में कन्वर्ट करने का एक बहुत ही मेसिव प्रोग्राम लिया गया था। इसमें कोई शक नहीं कि काफी हद तक उसको पूरा करने की कोशिश हुई, लेकिन ऐसा लगता है कि कुछ हिसाब नहीं बैठा और अब एकदम फंड्स की कमी की बात कही जाने लगी है। बहुत दिनों तक यह आशा दिलाई जाती रही कि जल्दी गेज बदल दिया जाएगा। अब वे सब योजनाएँ खट्टाई में पड़ती हुई दिखाई देती हैं। वह एक पहलू है।

दूसरा पहलू है जिन पर गेज परिवर्तन का काम चल रहा है। अब मैं उदाहरण देना चाहता हूँ कि मीटर गेज का

जो दिल्ली से अहमदाबाद का रास्ता था या जो जोधपुर से अहमदाबाद का रास्ता है, अजमेर के आगे गाड़िया 24 नवम्बर से बन्द कर दी गई हैं। जोधपुर से अहमदाबाद के रास्ते पर तीन एक्सप्रेस गाड़िया चलती थीं और प्रति दिन कम से कम तीन हजार यात्रियों का रोजाना अहमदाबाद जाना और अहमदाबाद लौटना होता था। अब इन गाड़ियों के बन्द करने के बाद यात्रियों का क्या होगा, कौन से वाहन उनको उपलब्ध होंगे? हिसाब तो लगाया गया था कि जो बसें आल रेडी चल रही हैं उसमें भी 75 से 100 बसों की रोजाना ज्यादा आवश्यकता होगी, लेकिन कोई इन्तजाम नहीं है और रेलवे ने भी इसके संबंध में कोई व्यवस्था नहीं की है। इसलिए मेरा आग्रह है कि जब रेलवे ने अपने काम के लिए गेज परिवर्तन के लिए गाड़ियां बन्द की हैं तो यात्रियों को अहमदाबाद-जोधपुर या अहमदाबाद-अजमेर के रास्ते पर ले जाने के लिए उन्हें एडीशनल इन्तजाम करना चाहिए। नहीं तो आज यात्री प्राइवेट बस आनर्स की मर्जी पर हैं और जो 140 रुपये किराये के बजाय दो-दो सौ रुपया किराया वसूल कर रहे हैं और उसमें सात दिन पहले भी रिजर्वेशन नहीं मिलता है। अब यही हालत है जोधपुर और अहमदाबाद की। ये बिजिनिस सेन्टर्स भी हैं और बाकी रास्ते के यात्री भी वहाँ जाते हैं। इसलिए मेरी आपके माध्यम से रेल विभाग से मांग है कि यात्रियों की तकलीफ का इलाज उन्हें करना चाहिए। वहाँ बसें उपलब्ध हों, ठीक किराये पर उपलब्ध हों यह यात्रियों के लिए व्यवस्था होनी चाहिए और इस बात का आश्वासन मिलना चाहिए कि ये जो गाड़ियां बन्द कर दी गई हैं, गेज परिवर्तन के नाम पर वहाँ काम स्टेगर नहीं किया जाएगा। जो टाइम टेबल तय किया गया है उसी समय में यह गेज परिवर्तन कर के ब्राड गेज की गाड़ियां चलाई जायेंगी। इन दो बातों की व्यवस्था के लिए मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

श्री नरेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इसमें कुछ जोड़ना चाहता हूँ।... (व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम): जोड़िए मत सिर्फ एसोसिएट करिए। अभी कई नाम बाकी हैं।

श्री नरेन्द्र मोहन : महोदय मुझे एक आवश्यक बात बतानी थी गेज परिवर्तन को लेकर... (व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम): नहीं नहीं, आपका नाम ही नहीं है, जिन लोगों का नाम है उनको बोलने दीजिए।